कार्यक्रम परियोजना प्रतिवेदन (PROGRAMME PROJECT REPORT-PPR)

हिंदी (स्नातकोत्तर)

(क) कार्यक्रम का उद्देश्य एवं लक्ष्य : यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय समाज, संस्कृति, साहित्य एवं भाषा से जोड़ते हुए उनके ज्ञान में गुणात्मक अभिवृद्धि के उद्देश्य से बनाया गया है, ताकि विद्यार्थी अपने आप को समाज से जोड़ते हुए अपने को स्थापित कर सकें, इससे सुदृढ़ एवं शिक्षित भारतीय समाज की परिकल्पना साकार होगी। वर्तमान प्रतियोगी दौर में विद्यार्थियों को रोजगारपरक विकल्पों, यथा- संघ लोक सेवा आयोग, राज्य लोक सोवा आयोग, राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) तथा इसी तरह की अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाना, जैसे लक्ष्य पाठ्यक्रम निर्माण करते समय ध्यान में रखे गये हैं।

कार्यक्रम का लक्ष्य एवं उद्देश्य बिंदुवार इस प्रकार है-

- विद्यार्थी हिंदी भाषा एवं साहित्य और उसके विकास के विभिन्न चरणों से अवगत हो सकें,
- विद्यार्थी अपने व्यक्तिगत शैक्षणिक विकास में निरंतर सुधार ला सकें,
- विद्यार्थियों में सामाजिक दायित्वबोध जागृत करना,
- विद्यार्थियों में साहित्यिक-लेखन क्षमता का विकास करना,
- विद्यार्थियों के ज्ञानार्जन और मौलिक चिंतन से उनका आत्मविश्वास बढ़ सके और वे आत्मनिर्भर बन सकें।

(ख) उच्च-शिक्षा संस्थान में दूरस्थ शिक्षा-पद्धति से इस लक्षित कार्यक्रम की प्रासंगिकता : पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ गुणवत्ता युक्त दूरस्थ उच्च-शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय अपने इस लक्ष्य और उद्देश्य प्राप्ति के लिए छत्तीसगढ़ के दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों जशपुर, बस्तर सहित संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में अपने अध्ययन-केंद्रों के माध्यम से मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा-पद्धति से उच्च-शिक्षा प्रदान करता है।

(ग) विद्यार्थियों के संभावित लक्ष्य-समूह का स्वरूप : इस कार्यक्रम में आयु का बंधन नहीं। वे सभी अध्ययन इच्छुक विद्यार्थी प्रवेश ले सकते हैं, जो किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से न्यूनतम स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हैं।

(घ) मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा-पद्धति के तहत विशिष्ट कौशल और क्षमता प्राप्त करने के लिए प्रायोजित किए जाने वाले कार्यक्रम की उपयुक्तता : यह कार्यक्रम मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा-पद्धति से उच्च-शिक्षा प्रदान करने वाले कार्यक्रमों में से एक है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में हिंदी भाषा एवं साहित्य के स्नातकोत्तर स्तरीय ज्ञान की गुणात्मक वृद्धि के लिए है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी भाषा एवं साहित्य का गुणात्मक ज्ञान प्राप्त करता है, जिससे उसका समाज के प्रति एक निश्चित दायित्व-बोध विकसित होता है, इसी आधार पर वह अपने जीवन के सुचारु संचालन, समाज में बेहतर समन्वय, संगठन तथा संतुलन स्थापित कर सकता है।

(ङ) निर्देशात्मक आकार (डिजाइन) :-

1. **अवधि और क्रेडिट :** इस कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि दो वर्ष की है, यद्यपि विद्यार्थी अधिकतम चार वर्षों में यह कार्यक्रम पूर्ण कर सकता है। यह कार्यक्रम 72 क्रेडिट (1 क्रेडिट में 30 घंटे की अध्ययन अवधि) का है, जिसमें विद्यार्थी से प्रथम वर्ष-32 तथा अंतिम वर्ष-40 (पूर्व एवं अंतिम वर्ष में) 72 क्रेडिट का अध्ययन अपेक्षित है।
2. **माध्यम :** हिंदी स्नातकोत्तर कार्यक्रम हिंदी माध्यम में संचालित होगा।
3. **कार्यक्रम संरचना :**

वर्ष	विषय कोड	विषय	क्रेडिट
पूर्व वर्ष	MAHIN-01	आदि एवं मध्यकालीन काव्य	8
	MAHIN-02	आधुनिक काव्य	8
	MAHIN-03	हिंदी साहित्य का इतिहास	8
	MAHIN-04	काव्यशास्त्र एवं समालोचना	8
अंतिम वर्ष	MAHIN-05	नाटक एवं काव्येत्तर गद्य	8
	MAHIN-06	कथा-साहित्य	8
	MAHIN-07	भाषाविज्ञान	8
	MAHIN-08	आधुनिक हिंदी कविता और गीत परंपरा	8
	MAHIN-09	शोध-प्रविधि एवं अनुवाद/ लघुशोध (वैकल्पिक)	8
			कुल क्रेडिट = 72

लघुशोध (वैकल्पिक)

- लघुशोध वैकल्पिक होगा, जिसे विद्यार्थी तभी चुन सकता जब उसने हिंदी एम.ए. पूर्व में 62 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हों तथा किसी भी प्रश्नपत्र में एटीकेटी नहीं आया हो।
- ऑफलाइन/ऑनलाइन कक्षाएँ प्रत्येक छह माह में (प्रत्येक छह माह में 10-10 दिन की) आयोजित की जाएँगी, जिसमें विद्यार्थी की कुल उपस्थिति 75 प्रतिशत अनिवार्य होगी।
- विश्वविद्यालय हिंदी विभाग शोध-केंद्र होगा, जिसके सहा. प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक, प्राध्यापक लघुशोध के निर्देशक के रूप में कार्य करेंगे। लघुशोध हिंदी भाषा एवं साहित्य की किसी भी विधा पर आधारित होगा, इसके लिए 100 अंक होंगे। 70 अंक हार्ड बाउंड रिपोर्ट प्रस्तुत (लघुशोध) के लिए तथा 30 अंक मौखिकी हेतु निर्धारित होंगे।

4. **शिक्षण-पद्धति :** विश्वविद्यालय द्वारा विकसित शिक्षण विधि में विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से शामिल होंगे। जिसके निम्नलिखित घटक हैं-
   (1) आत्म-निर्देशात्मक पाठ्य-पुस्तकें (स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री)
   (2) विषय विशेषज्ञों द्वारा अध्ययन-केंद्रों पर आयोजित परामर्श एवं संपर्क कक्षाएँ।
   (3) सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी की मिश्रित प्रणाली (ICT-enabled Blended Mode)

5. **स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री (Self-learning Material-SLM) का वितरण :** इस स्नातकोत्तर कार्यक्रम हेतु पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर ने विषय विशेषज्ञों द्वारा स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री तैयार करायी है। विद्यार्थियों को स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री विद्यार्थी द्वारा ऑनलाइन प्रवेश के दौरान अंकित पते पर डाक माध्यम से प्रेषित की जाती है। स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री के अध्ययन में विषय से संबंधित कोई कठिनाई आती है, तो वह अध्ययन-केंद्र पर संचालित परामर्श एवं संपर्क कक्षाओं में विषय विशेषज्ञ द्वारा उक्त कठिनाइयों का समाधान प्राप्त कर सकता है।

6. **कार्यक्रम हेतु विषय-विशेषज्ञ एवं सहायक कर्मचारियों की आवश्यकता :** इस कार्यक्रम हेतु विषय-विशेषज्ञ और सहायक कर्मचारी विश्वविद्यालय मुख्यालय में हैं। अध्ययन-केंद्रों पर संपर्क कक्षाओं के संचालन के दौरान विषय-विशेषज्ञों तथा सहायक कर्मचारियों की आवश्यकता विश्वविद्यालय के नियमानुसार पूर्ण की जाती हैं।

(च) प्रवेश, अंक विभाजन, मूल्यांकन-प्रक्रिया व परिणाम :

(1) योग्यता : इस कार्यक्रम हेतु न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण।

(2) प्रवेश-प्रक्रिया : इस कार्यक्रम के लिए प्रवेश-प्रक्रिया एक वर्ष में दो बार (सामान्यतः जून-सितंबर व जनवरी-मार्च के बीच) विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि में संपन्न की जाती है। प्रवेश-प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन है।

(3) सत्रीय कार्य, सत्रांत परीक्षा एवं अंक विभाजन : इस कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी को पूर्व और अंतिम वर्ष में सत्रीय कार्य (Tutor Mark Assignment-TMA) विषय के प्रत्येक पश्न-पत्र हेतु 30 अंक, तथा सत्रांत परीक्षा (Term End Examination-TEE) विषय के प्रत्येक प्रश्न-पत्र हेतु 70 अंक निर्धारित हैं।

खंड	कुल प्रश्नों की संख्या	प्रश्नों का प्रकार
वर्ग-अ	कुल 8 प्रश्न (सभी प्रश्न अनिवार्य)	अति लघुउत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा एक शब्द/वाक्य
वर्ग-ब	कुल 6 प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 4 प्रश्न हल करने होंगे।	अति लघुउत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा 75 (आधा पृष्ठ)
वर्ग-स	कुल 4 प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 3 प्रश्न हल करने होंगे।	लघुउत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा 150 (एक पृष्ठ)
वर्ग-द	कुल 4 प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 2 प्रश्न हल करने होंगे।	अर्ध दीर्घ उत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा 300 (दो पृष्ठ)
वर्ग-ई	कुल 2 प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 1 प्रश्न हल करने होगा।	दीर्घ उत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा 600-700 (4-5 पृष्ठ)
योग = कुल 24 प्रश्न, परीक्षार्थी 18 प्रश्न हल करेगा।		

(4) मूल्यांकन-प्रक्रिया : योग्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा।

(5) परिणाम : विश्वविद्यालय 10 बिंदु ग्रेड पद्धति (10 Point Grading System) के आधार पर परिणाम घोषित करेगा।

(छ) प्रयोगशाला सुविधा तथा पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता : इस कार्यक्रम में प्रवेशित छात्रों को प्रवेश लेने पर स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री उनके द्वारा अंकित पते पर प्रेषित कर दी जाती है। यदि विद्यार्थी पुस्तकालय का लाभ लेना चाहता है, तो विषय से संबंधित संदर्भ पुस्तकें, पत्रिकाएँ विश्वविद्यालय पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय मुख्यालय स्थित पुस्तकालय (स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय) पर विश्वविद्यालय कार्य दिवसों में अध्ययन सुविधा उपलब्ध रहती है, यह सुविधा अध्ययन-केंद्रों पर भी उपलब्ध रहेगी।

(ज) कार्यक्रम हेतु शुल्क प्रावधान : इस कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने और उसके विकास का दायित्व निर्वहन विश्वविद्यालय करेगा। इसके लिए निधि विश्वविद्यालय अपने वार्षिक बजट में से आबंटित बजट के अनुसार करेगा।

छात्र द्वारा निम्नलिखित शुल्क देय होगा-

हिंदी स्नातकोत्तर हेतु शुल्क (रु. में)			
शुल्क विवरण	पूर्व वर्ष	अंतिम वर्ष	कुल
कुल शुल्क	7,200	7,200	14,400

(झ) कार्यक्रम की गुणवत्ता का आँकलन और अपेक्षित परिणाम : विश्वविद्यालय द्वारा इसके लिए एक समीक्षा-तंत्र विकसित है, जो अध्ययन की तत्कालीन आवश्यकताओं, मानकों और कार्यक्रम की आवश्यक रूपरेखा तय करेगा। कार्यक्रम संचालन विभागीय स्तर पर किया जाएगा। कार्यक्रम को अद्यतन एवं शिक्षण मानकों के अनुरूप बनाने हेतु विभागीय समिति (Bord of Study) और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन-केंद्र (Center for Internal Quality Assurance-CIQA) है। यह समिति एवं आश्वसन-केंद्र छात्रों द्वारा प्राप्त प्रतिक्रियाएँ शामिल कर कार्यक्रम की कार्ययोजना बनाता है और गुणवत्तायुक्त शिक्षण-प्रणाली विकसित करने का दायित्व निभाता है।